सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 149 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार 4 जुलाई, 2025
मूल्य ₹ 3/-

कोई व्यक्ति अपने कार्यों से महान होता है, अपने जन्म से नहीं।
-चाणक्य

अजेय बढ़त हासिल करने उतरेगी... 7 | यूपी में नाम के लिए सियासी... 3 | भाजपा सरकार में रिकार्ड भ्रष्टाचार... 2

बिहार में चुनाव आयोग पर फिर गिरी सियासी गाज

तेजस्वी व पवन खेड़ा ने सीईसी पर बोला तीखा हमला

» मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर नहीं थमा विवाद
» कांग्रेस व राजद के बाद आर-पार पर उतरे पप्पू यादव
» जदयू बोली- चुनाव आयोग कर रहा है अपना काम
» वोट का अधिकार छीना जा रहा

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। राजद व कांग्रेस के निशाने पर चुनाव आयोग व मुख्य चुनाव आयुक्त आ गए हैं। राजद नेता तेजस्वी यादव के बाद पूर्णिया सांसद पप्पू यादव भी भड़क गए। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि चुनाव आयोग भगवान है क्या? अलादीन का चिराग है क्या? उन्होंने कहा कि आर-पार की लड़ाई होगी। बिहार और बिहारियों की अस्मिता के लिए, गरीबों के अधिकार के लिए जान भी देना पड़ेगा तो देंगे।

वहीं जेडीयू नेता नीरज कुमार ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के एक बयान पर कहा, मतदाता पुनरीक्षण का कार्य चुनाव आयोग का है। वहीं तेजस्वी यादव ने कहा कि भविष्य में मोदी जी बिहार में राष्ट्रपति शासन लगा देंगे और पूरा प्रभार अपने हाथ में ले लेंगे। चुनाव आयोग कठपुतली बन गया है, यह एक महत्वपूर्ण मुद्दा है कि वोट का अधिकार छीना जा रहा है और चुनाव आयोग राजनीतिक दलों के साथ बैठक नहीं कर रहा है। न्याय कहां है? चुनाव आयोग ने कभी भी पीएम मोदी और अन्य प्रमुख नेताओं के खिलाफ उनके भाषणों को लेकर कोई कार्रवाई नहीं की है।

चुनाव आयुक्त मिस्टर इंडिया बन गए हैं : तेजस्वी

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता पुनरीक्षण के मामले पर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने फिर सवाल खड़े किए है। उन्होंने कहा कि हम लगातार अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ चुनाव आयोग से मिलने का अनुरोध करते रहे हैं। लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस राज्य में चुनाव होने हैं, वहां अगर विपक्ष चुनाव आयोग से मिलना चाहता है तो चुनाव आयोग उन्हें मिलने का समय नहीं दे रहा है। हमने ऐसा पहले कभी नहीं देखा। ये लोग लोकतंत्र को खत्म करने पर तुले हुए हैं और चुनाव आयोग संविधान की धज्जियां उड़ाने पर तुला हुआ है। राजद नेता ने आगे कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने खुद चुनाव आयोग को पत्र लिखा है, लेकिन उनकी तरफ से कोई जवाब नहीं आया है। हमने सुना है कि वे गठबंधन के प्रतिनिधिमंडलों से नहीं मिलेंगे, बल्कि हर पार्टी से अलग-अलग मिलेंगे। लेकिन क्यों? ऐसा लगता है कि चुनाव आयोग मोदी का आयोग बन गया है। भाजपा और नीतीश कुमार इस मुद्दे पर चुप हैं। वे हार रहे हैं, इसलिए चुनाव आयोग पीछे से उनकी मदद कर रहा है। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ कि चुनाव आयोग ने (किसी राजनीतिक दल को) समय नहीं दिया हो। वे एक राष्ट्र, एक चुनाव की बात करते हैं, लेकिन एक भी जगह चुनाव ठीक से नहीं होते, बेईमानी हो रही है। उनके पास हमारे सवालों का कोई जवाब नहीं है। इसलिए, वे चर्चा में नहीं दे रहे हैं। चुनाव आयुक्त मिस्टर इंडिया क्यों बन गए हैं?

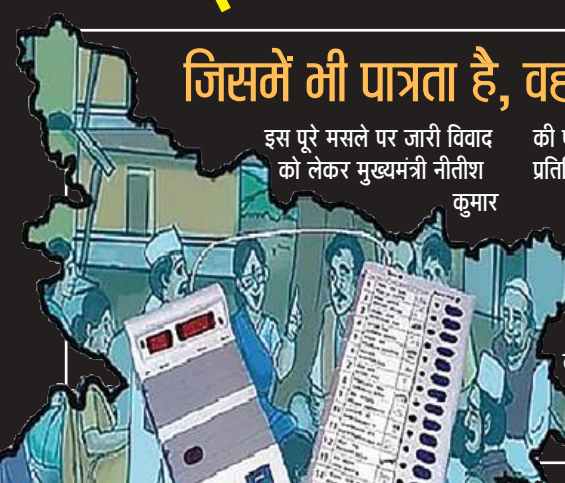

जिसमें भी पात्रता है, वह वोट देने का अधिकारी : नीरज

इस पूरे मसले पर जारी विवाद को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी भी प्रतिक्रिया दे रही है। जेडीयू नेता नीरज कुमार ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के एक बयान पर कहा, मतदाता पुनरीक्षण का कार्य चुनाव आयोग का है और हमारी उम्मीद चुनाव आयोग से केवल और केवल इतनी है कि कोई भी व्यक्ति जिसे भारत के संविधान के तहत मतदान करने का अधिकार प्राप्त है, वह छूटे नहीं। जिसमें भी पात्रता है, वह वोट देने का अधिकारी है तो उन्हें यह अधिकार मिलना चाहिए। इसके लिए जो भी आवश्यक शर्तें हैं उनका भी अवलोकन किया जाना चाहिए।

किसी एक संस्था की दादागिरी नहीं चल सकती : पवन खेड़ा

उधर दिल्ली में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने चुनाव आयोग द्वारा बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर कहा, जब आपको (मतदाताओं के) नाम काटने ही हैं तो आसानी से काट लेंगे, उसमें क्या है? काम मुश्किल तब होगा जब आपकी नीयत साफ होगी। उन्होंने कहा, 2003 में बिहार में जब यही पुनरीक्षण हुआ था तब एक साल की समय लगा था। अब आप केवल 25 दिनों में इस प्रक्रिया को पूर्ण कर लेंगे? तो आपकी नीयत तो यही है कि केवल नाम काटने हैं, कागजों की जांच नहीं करनी और आपको तो मालूम ही है कि किस वर्ग के नाम काटने है। हमारे पास तमाम विकल्प सड़क से लेकर संसद तक खुले हैं और इस देश में किसी एक संस्था की दादागिरी नहीं चल सकती।

तेजस्वी यादव की कृपा से पूर्णिया से जीते हैं पप्पू यादव : संजय जायसवाल

भारतीय जनता पार्टी के सांसद संजय जायसवाल ने पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि वह आरजेडी नेता तेजस्वी यादव की दया से चुनाव जीते हैं। भाजपा सांसद ने कहा कि पप्पू यादव हमेशा बूथों से बैलेट पेपर लूटकर विधायक बनते रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि तेजस्वी यादव की कृपा से वे पूर्णिया से जीते हैं। अगर सबसे बड़े घोटालेबाज लालू यादव के कार्यकाल में मतदाता निरीक्षण के दौरान घोटाले नहीं हुए, तो उन्हें क्यों लगता है कि अब कोई घोटाला होगा? संजय जायसवाल ने दावा किया कि तेजस्वी यादव ने वोटों को डायवर्ट करने के लिए पिछड़े समुदाय से बीमा भारती को मैदान में उतारा और सभी समुदायों के लोगों से पप्पू यादव को वोट देने के लिए कहा। संजय जायसवाल ने एएनआई से कहा, तेजस्वी यादव ने जानबूझकर पिछड़े समुदाय की एक लड़की को चुनाव लड़ाया ताकि वोटों को दूसरी तरफ मोड़ा जा सके और सभी समुदायों के लोगों से पप्पू यादव को वोट देने के लिए कहा। इसके अलावा, भाजपा सांसद ने बिहार में चुनाव पुनरीक्षण करने के चुनाव आयोग के फैसले की आलोचना करने पर विपक्ष पर निशाना साधा। संजय जायसवाल ने कहा कि करीब 7.5 करोड़ लोगों को मतदाता पुनरीक्षण के लिए अपने दस्तावेज दिखाने की जरूरत नहीं है, जिनके माता-पिता का नाम मतदाता सूची में है। उन्होंने कहा कि भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि आधार कार्ड सभी उद्देश्यों के लिए अनिवार्य नहीं है, जिसके कारण केवल 70 से 80 लाख लोगों को ही मतदाता पुनरीक्षण के लिए अपने दस्तावेज दिखाने होंगे।

भाजपा सरकार में रिकार्ड भ्रष्टाचार हो रहा : अखिलेश

» आजमगढ़ में नए पार्टी कार्यालय भवन का उद्घाटन किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आज आजमगढ़ में नए पार्टी कार्यालय भवन का उद्घाटन किया और कार्यालय परिसर में सम्मेलन और बैठक हाल का शिलान्यास किया। इस अवसर पर मौजूद जनसमुदाय को सम्बोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि आजमगढ़ से पार्टी का भावनात्मक लगाव है।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में रिकार्ड भ्रष्टाचार हो रहा है। जल जीवन मिशन में टंकियां भाजपा के भ्रष्टाचार को सह नहीं पा रही है। हर महीने पानी की टंकियां फट रही है। इस सरकार ने गांव-गांव के रास्ते खोद दिए हैं लेकिन पानी कहीं नहीं पहुंच रहा है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा संविधान, आरक्षण, सेकुलरिज्म और समाजवाद की विरोधी है। भाजपा वोट के डर से आरक्षण और संविधान के खिलाफ सीधे न बोलकर समाजवाद और सेकुलरिज्म के खिलाफ बोलती है। भाजपा अपने स्थापना काल का प्रस्ताव भूल गयी है। भाजपा में टकराव चल रहा है। इसीलिए वह अपना अध्यक्ष नहीं चुन पा रही है।

जातीय जनगणना को लेकर जनता जागरूक

श्री यादव ने कहा कि जातीय जनगणना को लेकर जनता जागरूक हो गयी है। जनता जानती है कि जातीय जनगणना होने से उसे हक और अधिकार मिलेगा। इसी से ध्यान भटकाने के लिए भाजपा और उसकी विचारधारा के लोग सेकुलरिज्म, समाजवाद और संविधान पर हमले कर रहे हैं।श्री यादव ने कहा कि पीडीए वही है जिसे हम सब बहुजन समाज कहते थे। पीडीए पीड़ित, दुःखी अपमानित लोगों को एक साथ लाने का नारा है। उन्होंने कहा कि आजमगढ़ में नये पार्टी कार्यालय के नाम को लेकर बहुत सुझाव आये है। आज हम इस भवन का नाम पीडीए भवन रखते हैं। यह भवन पीडीए भवन के नाम से जाना जाएगा, क्योंकि पीडीए एकता हमारी ताकत है। लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन की ताकत और पीडीए की रणनीति ने दोनों दलों को उत्तर प्रदेश में नम्बर एक पर पहुंचा दिया। उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन बहुत मजबूत स्थिति में है।

आजमगढ़ से समाजवादियों का पुराना और गहरा रिश्ता

आजमगढ़ की जनता ने पार्टी के हर फैसले का सम्मान किया और साथ दिया। राजनीतिक परिस्थितियां कुछ भी रही हो आजमगढ़ ने हमेशा पार्टी को मजबूती दी। नेताजी को लोकसभा पहुंचाया, धर्मेन्द्र यादव जीते। आजमगढ़ से समाजवादियों का पुराना और गहरा रिश्ता है यह विचारधारा का सम्बंध है। यहां पास से जो एक्सप्रेस-वे जा रहा है। यह एक्सप्रेस-वे लखनऊ से एक तरफ आजमगढ़ तो दूसरी तरफ सैफई को जोड़ता है। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के किनारे अभी बहुत काम होना है। विकास होना है। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे और पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे समाजवादी सरकार की देन है।

जो लोस चुनाव जीतता है वहीं विस चुनाव जीतता है

लोकसभा चुनाव में पीडीए की ताकत से आजमगढ़ के आसपास की सभी सीटे समाजवादी पार्टी जीत गयी। उत्तर प्रदेश का इतिहास है जो लोकसभा चुनाव जीतता है वहीं विधानसभा चुनाव जीतता है। जो लोकसभा में रिकार्ड बनाता है वही विधानसभा में भी रिकार्ड बनाता है। जो टेक्नॉलोजी समझते है वे जानते है कि समाजवादी पार्टी अगर एक-एक विधानसभा क्षेत्र में दस-दस हजार वोट बढ़ा लेगी तो रिकार्ड तोड़ सीटे जीतेगी। 2027 के विधानसभा चुनाव में पीडीए नया रिकॉर्ड बनाएगा।

कई दिग्गज नेता उपस्थित रहे

इस अवसर पर नेता विरोधी दल विधान सभा माता प्रसाद पाण्डेय, नेता विरोधी दल विधान परिषद लाल बिहारी यादव, पूर्व मंत्री बलराम यादव, सांसद धर्मेन्द्र यादव, सांसद लालजी वर्मा, सांसद राजीव राय, सांसद रामभुआल निषाद, सांसद दरोगा प्रसाद सरोज, पूर्व मंत्री एवं विधायक दुर्गा प्रसाद यादव, पूर्व मंत्री एवं विधायक राम अचल राजभर, विधायक आलमबदी, विधायक संग्राम यादव, एमएलसी शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली, जिलाध्यक्ष हवलदार ने कार्यक्रम को सम्बोधित किया और राष्ट्रीय अध्यक्ष जी का स्वागत किया।

सपाईयों का उत्साह देख पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर रुका अखिलेश यादव का काफिला

लखनऊ से आजमगढ़ जाते समय सपा प्रमुख अखिलेश यादव का सपा छात्रसभा के लोगों ने सेमरी बाईपास के पास पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर रोककर स्वागत किया। सपाइयों के बीच तकरीबन 5 मिनट तक पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर अखिलेश यादव रुके। जिला उपाध्यक्ष समाजवादी छात्रसभा विजय यादव समेत सपा के नेता व कार्यकर्ताओं का अभिवादन स्वीकार करते हुए अखिलेश यादव का काफिला आगे बढ़ गया। स्वागत के दौरान अखिलेश ने कार्यकर्ताओं से आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी मे तन मन से जुटने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह चुनाव हम सब के लिए चुनौती है जो देश में लोकतंत्र के भविष्य को तय करेगा।

भविष्य में भी त्रि-भाषा नीति स्वीकार नहीं करेंगे : राउत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार द्वारा त्रि-नीति लागू करने का आदेश वापस लेने के बाद शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) सांसद संजय राउत ने कहा कि वे भविष्य में भी ऐसी नीति को स्वीकार नहीं करेंगे।

महाराष्ट्र के स्कूलों में पहली कक्षा से पांचवीं कक्षा तक हिंदी को शामिल करने के खिलाफ बढ़ते विरोध के बीच रविवार को राज्य सरकार ने 'त्रि-भाषा' नीति पर सरकारी आदेश को वापस ले लिया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इसके बाद नीति के कार्यान्वयन और आगे की राह सुझाने के लिए शिक्षाविद् नरेंद्र जाधव की अध्यक्षता में एक समिति के गठन की भी घोषणा की। राउत ने यहां पत्रकारों से बातचीत में दावा किया, ''फडणवीस को समितियां और विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने का शौक है लेकिन वह करते कुछ नहीं। उन्होंने कहा, ''जाधव सम्मानित अर्थशास्त्री हैं, लेकिन इस समिति की अब कोई प्रासंगिकता नहीं है। हम भविष्य में भी त्रि-नीति को स्वीकार नहीं करेंगे।'' उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधा और उस पर भारत में आतंकवादी गतिविधियों में पाकिस्तान का हाथ होने की बात साबित करने में ''विफल'' रहने का आरोप लगाया। दिल्ली में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की आगामी बैठक और इससे भारतीय जनता पार्टी को क्या लाभ होगा, इस बारे में पूछे जाने पर राउत ने दावा किया, ''आरएसएस और भाजपा भाई की तरह हैं। अगर आरएसएस चाहे तो वह भाजपा को सबक सिखा सकती है। आज भाजपा की ताकत आरएसएस कार्यकर्ताओं के प्रयासों के कारण है।

विचारधारा न पसंद आए तो लोगों को नक्सली कहने का चलन बढ़ा है : शरद

बोले पूर्व सीएम- रूढ़िवादिता के खिलाफ काम करने वाले नक्सली नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार ने कहा है कि अगर किसी का काम या विचारधारा पसंद नहीं आए तो उसे नक्सल करार देने का चलन बढ़ रहा है। पवार ने शिवसेना की विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) मनीषा कायंदे की टिप्पणी पर यह बात कही।

विधान परिषद सदस्य कायंदे ने विधान परिषद में दावा किया था कि अर्बन नक्सलियों ने वारी वार्षिक तीर्थयात्रा में घुसपैठ कर ली है और वे वारकरियों को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। पवार ने कहा, मुझे इस बारे में पूरी जानकारी नहीं है। लेकिन जिन दो संगठनों के

नाम मीडिया में आए हैं, उनमें से एक है लोकायत। मैंने लोकायत का काम देखा है। पवार ने कहा, '' इस संगठन का दृष्टिकोण आधुनिक है और पिछले कई सालों से रूढ़िवादिता के खिलाफ काम कर रहा है। वे नक्सली नहीं हैं। अगर किसी का काम या विचारधारा स्वीकार नहीं है तो उसे नक्सली करार देने का चलन बढ़ रहा है। पवार ने कहा कि पुणे में एल्गार परिषद (31 दिसंबर 2017) और कोरेगांव भीमा (एक जनवरी 2018) में जाति हिंसा के बाद माओवादियों के साथ संबंध रखने के आरोप में कई लोगों को गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया था। उन्होंने दावा किया, ''यहां भी यही हो सकता है (वारी का जिक्र करते हुए)। आज, राज्य सरकार उन विचारधाराओं के लिए लोगों को नक्सली करार दे रही है, जो उसे स्वीकार नहीं। पवार ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी, शिवसेना (उबाठा) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) द्वारा पांच जुलाई को आयोजित किए जा रहे कार्यक्रम में हिस्सा लेगी जिसमें तीन नीति के मुद्दे पर जीत का जश्न मनाया जाएगा।

अपना दल एस में घटा आशीष पटेल का कद!

» अनुप्रिया पटेल ने किया ऐलान, कार्यकारी अध्यक्ष नहीं रहेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अपना दल (सोनेलाल) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने पार्टी ने संगाठनिक बदलाव किए हैं। इस बदलाव में उनके पति और योगी सरकार में मंत्री आशीष पटेल का कद घट गया है।

अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल की ओर से जारी की गई लिस्ट के अनुसार अब आशीष पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष नहीं रहेंगे। उनको अब उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। आशीष पटेल पार्टी की नंबर दो पोजीशन से नंबर 3 पर भेजे दिए गए। अब आशीष पटेल के ऊपर माता बदल तिवारी होंगे। हालांकि वह भी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष होंगे लेकिन अनुप्रिया पटेल की अनुमति से जारी पत्र में आशीष नंबर 2 पर और तिवारी नंबर 1 पर हैं।

और अधिकारी बदले गए

2 दिन पहले ही पार्टी के कई पदाधिकारियों ने बगावत कर गंभीर आरोप लगाए थे। आशीष और तिवारी के अलावा, केके पटेल को राष्ट्रीय महासचिव, राकेश यादव को राष्ट्रीय सचिव, अल्का पटेल को राष्ट्रीय सचिव, पप्प माली राष्ट्रीय सचिव, अमित पटेल राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य और रेखा वर्मा को भी राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य की जिम्मेदारी दी गई है।

यूपी में नाम के लिए सियासी तामझाम

कर्मियों की पहचान को लेकर भड़के विपक्षी नेता

- सपा ने योगी सरकार को घेरा
- कांग्रेस व एआईएमआईएम ने भी तानी भौहें
- एसटी हसन, ओवैसी व मसूद ने उठाए सवाल
- दोनों के बीच इससे दूरियां बढ़ेंगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में कांवड़ यात्रा मार्ग पर नेम प्लेट विवाद पर सियासत तेज होती जा रही है। समाजवादी पार्टी समेत तमाम विरोधी दलों ने इस पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। यूपी की सहारनपुर सीट से कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि ये देश मोहब्बत का देश है, नफरत का नहीं। मुसलमान भी कावड़ यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं की सेवा करते हैं लेकिन इन्हें इससे परेशानी होती है।यूपी में दुकानों पर नेम प्लेट लगाने को लेकर फिर बवाल मच गया है। सपा समेत कई विपक्षी पार्टियों ने भाजपा व योगी सरकार पर जमकर हमला बोला है।

समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद एसटी हसन ने उत्तर प्रदेश स्थित मुजफ्फरनगर में एक होटल में कर्मियों की पहचान को लेकर उनकी पैंट उतारे जाने के मामले में बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि ऐसा करने वाले और पहलगाम के आंतिकयों में अंतर नहीं है। अब हसन ने अपने बयान पर सफाई दी है। हसन ने कहा कि मुझे नेम प्लेट पर सरकार के आदेश पर एतराज नहीं है लेकिन मुजफ्फरनगर में जो हुआ, उसकी जांच हो और एक्शन लिया जाए। अपने पुराने बयान के संदर्भ में एसटी हसन ने कहा कि उसे तोड़ मरोड़ कर पेश किया गया है। हसन ने कहा कि मैंने तो खुलकर कहा कि एक आदमी चार लोगों को लेकर जाकर दुकानों में लोगों की चेकिंग कर रहा है, उनको ये अधिकार दिया किसने है। पूर्व सांसद ने कहा कि सरकार ने नेम प्लेट लगाने का आदेश दिया। हमको इससे एतराज नहीं है। हमें पहचान छिपाकर काम नहीं करना चाहिए लेकिन अगर नियम को जनता लागू करने लगेगी, तो क्या देश में हिंदू मुस्लिम के बीच अंतर नहीं बढ़ेगा। इस तरह से जो चेकिंग जा रही है उससे दूरियां बढ़ेंगी। सपा नेता ने कहा कि नाम बदल कर कारोबार करना भी उचित नहीं है। किसी को धोखा देकर कारोबार न करें। इस्लाम इसकी इजाजत नहीं देता। हसन ने कहा कि थोड़े से वोट की खातिर, ऐसे हालत न पैदा किए जाएं कि देश में लोगों के बीच दूरियां बढ़ें।

उत्तराखंड और यूपी में क्या-क्या आदेश

बता दें कांवड़ यात्रा पर धामी सरकार ने आदेश जारी किया है. इसमें कहा गया है कि खाने पीने की दुकानों पर मालिक का नाम अनिवार्य है। लाइसेंस और पहचान पत्र दिखाना जरूरी होगा. बिना नाम और लाइसेंस वाली दुकानें बंद रहेंगी।कांवड़ रूट पर निगरानी अभियान चलाया जाएगा. कानूनी कार्रवाई और 2 लाख रुपये तक का जुर्माना लगेगा। उधर, यूपी में योगी सरकार ने कहा है कि ढाबा और रेस्टोरेंट में मालिक और मैनेजर का नेमप्लेट जरूरी है। सीएम ने कहा था कि कांवड़ यात्रा मार्ग पर खुले में मांस बिक्री नहीं, ओवररेटिंग पर सख्ती के निर्देश, संचालक को अपना नाम लिखना होगा।

ये कौन हैं जो होटल मालिकों से पैंट उतारने को कह रहे हैं : ओवैसी

दिल्ली-देहरादून हाईवे पर कांवड़ मार्ग पर ढाबा मालिकों से उनके धर्म की पुष्टि के लिए पैंट खोलने को कहा गया है। इस तरह की कुछ मीडिया रिपोर्ट्स आ रही है। लेकिन पूरे मामले को लेकर सियासत तेज हो गई है। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि मुजफ्फरनगर

हाईवे के पास कई होटल हैं जो कई सालों से चल रहे हैं। मैं यह समझने में विफल हूं कि 10 साल पहले इन जगहों पर कोई समस्या क्यों नहीं थी। ओवैसी ने सवाल किया कि यहां कांवड़ यात्रा शांतिपूर्वक कैसे निकाली गई? यह सब अभी क्यों हो रहा है? ये कौन से समूह हैं जो होटल मालिकों से पैंट उतारने को कह रहे हैं? क्या वे सरकार चला रहे हैं, या प्रशासन सरकार चला रहा है? पुलिस को उन्हें गिरफ्तार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज के दौर में लोग होटल में जाकर आधार कार्ड मांग रहे हैं और कह रहे हैं कि अगर नहीं दिखाओगे तो पैंट उतारनी पड़ेगी। कौन हैं आप जो यह तय करेंगे? आपको होटल में जाकर यह पूछने का अधिकार किसने दिया?

यह लोग साझा संस्कृति, साझा विरासत को नष्ट करना चाहते हैं : इमरान मसूद

कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि यह लोग साझा संस्कृति, साझा विरासत को नष्ट करना चाहते हैं। जो लोग भक्ति में सराबोर आते हैं, उनकी सेवा में सभी लोग लगे रहते हैं. वो मुस्लिम बहुल क्षेत्रों से भी होकर गुजरते हैं. मुसलमान भी उनकी सेवा करने का काम करते हैं. इनको इससे भी परेशानी होती है। इमरान मसूद ने कहा कि यह

मोहब्बत का देश है, नफरत का नहीं है पिछली बार भी इन्होंने कोशिश की थी लेकिन, पिछली बार भी लोगों ने उनकी कोशिशों को फेल कर दिया था, इस बार फेल कर देंगे। कांग्रेस सांसद ने इससे पहले भी कांवड़ यात्रा को शांति और सौहार्दपूर्ण तरीके से संपन्न कराने की बात कही थी। उन्होंने कहा कि इस तरह के मामलों में अधिक सेंसेशन फैलाने की कोशिश नहीं होनी चाहिए, वो खुद भी कांवड़ शिविरों में सेवा कार्य करते रहे हैं।

राजद बिहार में बहाएगी विकास की गंगा

- तेजस्वी यादव ने घोषणा पत्र जारी किया
- नीतीश पर निशाना साधा कहा- चुनाव जीते तो 20 काम करवाएंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारी जोरों पर है। पोस्टरबाजी के द्वारा विपक्ष लगातार सरकार को घेरने और जनता को अपने पाले में लेने के लिए तरह तरह के पोस्टर लगा रही है। ऐसे में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए अपना 20 सूत्री प्लान जारी कर दिया है। हालांकि राजनीतिक गठबंधनों और दलों का औपचारिक घोषणा पत्र बाद में जारी होगा, लेकिन फिलहाल तेजस्वी यादव की इस 20 सूत्री प्लान ने राजनीतिक गर्माहट जरुर बढ़ा दी है।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया पर एक पोस्टर जारी किया है, जिसमें उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमला करते हुए उनके 20 वर्षों के शासन को 20 महीने में सुधारने का दावा किया है। उन्होंने पोस्टर के माध्यम से कहा है कि जो 20 वर्षों में नहीं हुआ वह तेजस्वी यादव 20 महीनों में कर के दिखायेंगे। उन्होंने सूचीबद्ध तरीके से 20 बिंदु दर्शाए हैं, उनमें पहला डोमिसाइल नीति लागू करने की बात कही गई है। इसके बाद क्रमश: 65त्न आरक्षण लागू करने और 3. नौकरी व रोजगार दिलाने, 4. युवा आयोग बनाने, 5. मुफ्त में परीक्षा फॉर्म भरवाने, 6. पेपर लीक पर पूर्ण लगाम लगाने, 7. माई-बहिनों के खातें में हर महीने ?2500 भिजवाने, 8. सामाजिक पेंशन 1500 रुपये भिजवाने, 9. 500 रुपये में गैस सिलेंडर मुहैया कराने, 10. 200 यूनिट मुफ्त बिजली दिलवाने, 11. ताड़ी को शराबबंदी से बाहर करवाने, 12. बेटी योजना लागू करने, 13. महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करवाने, 14. शिक्षा व्यवस्था को बेहतर करने, 15. भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने, 16. स्वास्थ्य की सुविधा सुगम और बेहतर करने, 17. नए निवेश लाने, 18. उद्योग-धंधे लगाने, 19. पलायन पर लगाम लगाने और 20वां. पर्यटन उद्योग बढ़ाने का दावा किया है। अंत में तेजस्वी यादव ने लिखा है कि युवाओं को मिलेंगे नौकरी व रोजगार, बिहार को मिलेगी स्थिर सरकार। फिलहाल नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव का 20 सूत्री प्लान सोशल मीडिया पर वायरल है।

देश को धार्मिक आधार पर बांटने की राजनीति भाजपा ने दी

राजद के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुबोध मेहता ने भाजपा पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को 'मौलाना तेजस्वी' कहकर नया नाम दे दिया है, जिससे बिहार की राजनीति गरमा गई है। राजद प्रवक्ता ने कहा कि देश में राम हमारे हैं और हम सबको अपना मानते हैं, लेकिन धर्म के नाम पर राजनीति करने वाले लोग कभी भी किसी का भी नामकरण कर देते हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जो लोग नागपुर से शिक्षा लेकर आते हैं वही ऐसी बातें करते हैं। उनका मानना है कि 'राम के साथ सिर्फ हम हैं', जबकि हमारा मानना है कि 'राम के साथ सब हैं।' सुबोध मेहता ने कहा कि 1989 में जब मंडल आयोग लागू हुआ तो ये लोग 'कमंडल' लेकर आ गए और देश को धार्मिक आधार पर बांटने की राजनीति की। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ध्रुवीकरण की राजनीति करती है। पहले इनका वोट बैंक 16त्न था जो अब बढ़कर 36त्न हो गया है, लेकिन बिहार की जनता अब इस खेल को भलीभांति समझ चुकी है और इस पर विश्वास नहीं करती।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

जसांख्यिकीय आंकड़े बनेंगे योजनाओं का आधार

केंद्र सरकार 2026 में देश भर में जनगणना का काम शुरू करेगी। विपक्ष के दबाव में वह इसमे जातिगत गणना भी करवाएगी। इसके लिए हजारों करोड़ की बजट की व्यवस्था भी करने की योजना है। ये निर्णय देश के नागरिकों के आर्थिक व सामाजिक विकास के लिए लाभदायक होगा। जनसांख्यिकीय आंकड़े और सर्वेक्षण ही सरकार की योजनाओं का आधार हैं। जनगणना और आंकड़ों के बिना कल्याणकारी योजनाएं तैयार करना और उनका लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचाना 'हवा में तीर चलाने जैसा है।' आंकड़े एकत्रित करने के लिए जनगणना एक सशक्त माध्यम है। जनगणना से सरकार स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास और अन्य सामाजिक सेवाओं की बेहतर योजना बना सकती है। इसके साथ-साथ सरकार को विभिन्न आयु वर्ग के लोगों की संख्या, लिंग, शिक्षा के स्तर आदि की सूचना प्राप्त होती है, जो सरकार को सही निर्णय लेने में सहायक होती है। कोविड जैसी महामारी के बाद तो जनगणना करवाना और अधिक आवश्यक हो जाता है। इस खतरनाक महामारी ने दुनिया को प्रभावित किया है। हर वर्ग के लोग कोविड से प्रभावित हुए हैं और बुरी तरह से जान-माल का नुकसान हुआ है।

जनगणना के आंकड़ों से ही पता चल पाएगा कि गांव-देहात, शहरों और मेट्रोपोलिटन शहरों में खाद्य वितरण प्रणाली, आर्थिक, स्वास्थ्य, वैक्सीनेशन जैसी सुविधाओं को और बेहतर कैसे किया जा सकता है। वरिष्ठ नागरिकों, युवाओं और बच्चों के लिए जरूरी व मूलभूत सुविधाएं किस प्रकार और बेहतर की जा सकती हैं। महामारी के बाद देश में जनसंख्या वृद्धि दर कितनी प्रभावित हुई है। इसीलिए प्राकृतिक आपदा व महामारी जैसी आकस्मिक स्थिति के दौरान जनगणना के आंकड़े बहुत सहायक होते हैं। जनगणना से प्राप्त आंकड़ों से विभिन्न सामाजिक, आर्थिक, गरीब, कमजोर व अन्य जरूरतमंद वर्गों की समस्याओं को समझकर उन्हें सुधारने के प्रयास किए जाते रहे हैं। वैसे भी गरीब व कमजोर वर्गों के लिए ही सरकार का अधिक महत्व होता है। जहां तक देश में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत सार्वजनिक वितरण प्रणाली की बात है, आज 2011 की जनसंख्या के अनुसार ही 81 करोड़ लोगों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत मुफ्त राशन दिया जा रहा है। 2021 में या इसके बाद जनगणना की जाती है तो लाभार्थियों का आंकड़ा बढ़ना तय है। इस बारे में सरकार की क्या मंशा है, यह तो सरकार ही बेहतर बता सकती है। आने वाले समय में जब जातिगत जनगणना के आंकड़े आ जाएंगे तो उन जातियों को लाभ मिलेगा जो सामाजिक या आर्थिक रूप से कमजोर हैं।

जनगणना से सरकार स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास और अन्य सामाजिक सेवाओं की बेहतर योजना बना सकती है। इसके साथ-साथ सरकार को विभिन्न आयु वर्ग के लोगों की संख्या, लिंग, शिक्षा के स्तर आदि की सूचना प्राप्त होती है, जो सरकार को सही निर्णय लेने में सहायक होती है। कोविड जैसी महामारी के बाद तो जनगणना करवाना और अधिक आवश्यक हो जाता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पिघलते ग्लेशियरों में जल संकट की आहट

ज्ञानेन्द्र रावत

दुनियाभर के ग्लेशियर खत्म होने की कगार पर हैं। वे तेजी से पिघल रहे हैं। अगर इनके पिघलने की यही रफ्तार जारी रही तो आने वाले दशकों में दुनिया एक-एक बूंद पानी को तरस जायेगी। दरअसल, जलवायु की प्रचंड आंधी ग्लेशियरों को निगल रही है। यह केवल बर्फ का पिघलना नहीं है; इससे बाढ़, भूस्खलन और हिमस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं का खतरा बढ़ता है, साथ ही यह बुनियादी ढांचे, कृषि उत्पादन और जलीय-स्थलीय पारिस्थितिक तंत्र पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है। वैज्ञानिकों की मानें तो साल 2000 से 2023 के बीच बर्फ के ये पहाड़ यानी ग्लेशियर 650,000 करोड़ टन बर्फ खो चुके हैं। यह सिलसिला जारी है। वेनेजुएला पहला देश है जिसने जलवायु परिवर्तन के असर के चलते अपने सभी ग्लेशियर खो दिये। बीसवीं सदी के मध्य में पश्चिमी संयुक्त राज्य अमेरिका में करीब 400 ग्लेशियर गायब हुए। ग्लेशियरों के पिघलने की स्थिति अंटार्कटिका, आर्कटिक, ग्रीनलैंड, आल्प्स, रॉकीज़, आइसलैंड, हिंदूकुश, स्विट्जरलैंड या ब्रिटेन-सभी जगह लगभग एक जैसी है।

वर्ष 2010 से पहले आर्कटिक और अंटार्कटिका में जो बर्फ की चादर बिछी होती थी, उसमें लाखों वर्ग किमी की कमी हो गयी है। अंटार्कटिका का सबसे बड़ा हिमखंड ए 23 फिर खिसक रहा है जो महासागरों की धाराओं द्वारा बहाकर लाया गया है और अभी दक्षिण जार्जिया के गर्म जल की ओर बढ़ रहा है। यहां यह टूटकर पिघलने की प्रक्रिया में है। बर्फ के प्राकृतिक रूप से बढ़ने की क्रिया के कारण यह हिमखंड टूटकर अलग हुआ है। वैज्ञानिक मानते हैं कि यह सब जलवायु परिवर्तन के कारण हो रहा है जिसने समुद्र का जलस्तर बढ़ने का खतरा पैदा कर दिया है। ग्रीनलैंड में जहां बीते 13 साल में 2,347 क्यूबिक किलोमीटर बर्फ गायब हो गयी है। ग्रीनलैंड की बर्फ पिघलने से दुनियाभर में समुद्र के जलस्तर में बदलाव हुआ। मौसम के पैटर्न में भी बदलाव सामने आया है। स्विट्जरलैंड के प्रसिद्ध रोन ग्लेशियर सहित आल्प्स पर्वत श्रृंखला के कई ग्लेशियरों में बर्फ के नीचे सुरंगें और गड्ढे हो गये हैं।

तेजी से बढ़ रहे तापमान के कारण अब ग्लेशियर सिर्फ पिघल नहीं रहे हैं, भीतर से खोखले भी हो रहे हैं। हिंदूकुश क्षेत्र के ग्लेशियर से नवम्बर से मार्च तक बर्फ में 23.6 फीसदी की रिकॉर्ड गिरावट दर्ज हुई है। यह बीते 23 सालों में सबसे कम है। नतीजन पूरे दक्षिण

एशियाई क्षेत्र में जल संकट का खतरा मंडरा रहा है। बर्फबारी में यह गिरावट लगातार तीसरे साल दर्ज की गयी है। जलवायु बदलाव और स्थलाकृति के कारण मध्य हिमालय का एक ग्लेशियर तेजी से खिसक रहा है। ग्लेशियरों की चिंताओं के बीच यह नया संकट है। दरअसल, ग्लेशियर आगे की ओर खिसकने की घटनाएं अभी तक अलास्का, कराकोरम और नेपाल में सामने आती थीं। वैज्ञानिक इसमें ग्लोबल वार्मिंग, तापीय इफेक्ट और उस इलाके की टोपोग्राफी को मुख्य वजह मान रहे हैं। वैज्ञानिक इस ग्लेशियर का उद्गम भारत में और निकास तिब्बत की ओर मानते हैं। इससे तिब्बत से लेकर धौलीगंगा तक बाढ़ का खतरा बना हुआ है। ग्लेशियर में इस बदलाव की स्थिति निचले इलाकों के लिए खतरनाक हैं। ग्लोबल वार्मिंग वैश्विक स्तर पर मौजूद ग्लेशियरों को नुकसान पहुंचा रही है। वह हिमालयी क्षेत्र में 37,465 वर्ग किलोमीटर में फैले कुल 9575 ग्लेशियरों को भी अपनी चपेट में ले चुकी है। ये ध्रुवीय क्षेत्र के बाहर दुनिया के सभी पर्वतीय क्षेत्रों में जमे ताजे पानी के सबसे बड़े भंडार हैं। इसे विश्व का तीसरा ध्रुव भी कहते हैं। एशिया की 10 प्रमुख नदियों को पानी देने वाले इन ग्लेशियरों से सिंधु, गंगा, ब्रह्मपुत्र जैसी तीन नदियां विभाजित हुई हैं। कश्मीर में भी ग्लेशियर पिघल रहे हैं। यहां भी पानी का संकट है। यहां लिद्दर नदी का मुख्य स्रोत कोलाहोई ग्लेशियर और तेजवान ग्लेशियर का दायरा ढाई किलोमीटर से भी ज्यादा घट गया है। इससे बड़ा खतरा यह हुआ कि पहाड़ों पर कई छोटी-छोटी झीलें बन गयी जो ज्यादा हिमस्खलन की स्थिति में कभी भी फट सकती हैं। इसरो की रिपोर्ट को मानें तो हिमालय की 2432 ग्लेशियर झीलों में से 676 का आकार तेजी से बढ़ रहा है। इनमें से भारत में मौजूद 130 झीलों के टूटने का खतरा बढ़ता जा रह है। मध्य हिमालयी राज्य उत्तराखंड में ग्लेशियर झीलें खतरे की घंटी बजा ही रही हैं।

फिर नदियों का जलस्तर भी कम हो रहा है। गौरतलब है कि सूखे के मौसम में यही बर्फ नदियों में पानी का स्रोत होती है। ऐसे में बर्फ में इस भारी गिरावट का असर भारत या आसपास के देशों के लगभग दो अरब लोगों की जलापूर्ति पर पड़ेगा। कार्बन उत्सर्जन इस इलाके में बर्फ की कमी का कारण है। साथ ही सीमापार जल प्रबंधन और कार्बन उत्सर्जन न्यूनीकरण के लिए नये सिरे से क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने की भी जरूरत है।

एक साल बाद आपराधिक कानूनों की दिशा-दशा

के.पी. सिंह

तीन नये आपराधिक कानून 1 जुलाई, 2024 को इस उम्मीद के साथ लागू किए गए थे कि भारत में ब्रिटिश काल से चली आ रही आपराधिक न्याय प्रणाली नागरिकों को न्याय प्रदान करने और सुरक्षा और संरक्षण की गारंटी देने वाली एक जन-केन्द्रित, प्रगतिशील, उद्देश्यपूर्ण एवं सक्षम संस्था के रूप में बदल जाएगी। यद्यपि किसी कानून के लागू होने के बाद एक वर्ष का समय लोगों की अपेक्षाओं को पूरा करने में इसकी सफलता या विफलता के बारे में कुछ भी महत्वपूर्ण निष्कर्ष निकालने के लिए पर्याप्त नहीं है, तथापि यह समय कानून के कार्यान्वयन में आने वाली बाधाओं और अवरोधों की पहचान करने के लिए पर्याप्त संकेत छोड़ जाता है।

नए कानूनों के लागू होने से पहले, कई कानून विशेषज्ञों ने उनकी उपयोगिता और व्यावहारिकता के बारे में आशंका व्यक्त की थी। यह सराहनीय है कि न्याय प्रणाली की सभी शाखाओं ने धारा-संख्या और उसमें निहित प्रावधानों में किए गए बदलावों को अच्छी तरह से स्वीकार और अंगीकार किया है। पहले दिन से ही उन्हें बिना किसी समस्या के व्यवहार में लाना शुरू कर दिया है। पूरे देश में नए कानूनों के अनुसार प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफ.आई.आर.) दर्ज की जा रही है और उनकी जांच की जा रही है। ऐसा केवल व्यापक पैमाने पर चलाए गए प्रशिक्षण अभियान के कारण ही सम्भव हो पाया है, जिसकी परिकल्पना और योजना गृह मंत्रालय द्वारा बनाई गई थी, और जिसे सभी हितधारकों द्वारा उत्साहपूर्वक अपनाया गया है। यहां तक कि विधि-विद्यालयों ने भी शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में हुए इन बदलावों को बिना किसी कठिनाई के आत्मसात कर लिया है। महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध अपराधों को नए कानूनों में सबसे अधिक वरीयता देकर यह संदेश दिया गया है कि सरकार महिलाओं और अवयस्कों की सुरक्षा और संरक्षण के प्रति संवेदनशील है।

पुलिस ने इन प्रावधानों का बखूबी प्रयोग किया है। इसके अतिरिक्त, सज़ा के प्रावधानों का अपराध की संगीनता के अनुसार सरलीकरण करके दण्ड-विधान को सुधारात्मक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, यद्यपि इसके परिणाम कुछ वर्षों बाद ही देखने को मिल सकेंगे। भारत की संप्रभुता, एकता और अखण्डता सबसे महत्वपूर्ण है, और यह भारतीय न्याय संहिता, 2023 (बीएनएस) की धारा 48 के प्रावधानों में विशेष रूप से दृष्टिगोचर होता है। इस धारा में, देश के बाहर बैठकर भारत में अपराध को बढ़ावा देने वाले राष्ट्र विरोधी तत्वों के विरुद्ध मामला दर्ज करने का प्रावधान किया गया है। ऐसे मामलों में अपराधियों के विरुद्ध मुकदमों की सुनवाई भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 (बीएनएसएस) की धारा 356 के अनुसार आरोपियों की अनुपस्थिति में भी की जा सकती है। हालांकि यह एक कटु सत्य है कि इन धाराओं का आतंकवादियों और गैंगस्टरों के खिलाफ नगण्य प्रयोग किया गया है, फलस्वरूप विदेशों में बैठकर भारत में फिरौती के लिए कॉल करने और आतंकवाद को भड़काने जैसी गतिविधियां रुक नहीं पाई हैं। वहीं दूसरी ओर, देश की सम्प्रभुता, एकता और अखण्डता अक्षुण्ण रखने के उद्देश्य से नए कानूनों में जोड़ी गई धारा 152 भारतीय न्याय संहिता के दुरुपयोग की शिकायतें निरंतर अखबारों की सुर्खियां बन रही हैं। ऐसे आरोप लग रहे हैं कि इस धारा का प्रयोग अभिव्यक्ति की आजादी पर कुठाराघात करने के लिए किया जा रहा है।

ऐसे अनेक मामलों में उच्चतम न्यायालय सुनवाई कर रहा है। मुकदमों के अनुसंधान को पारदर्शी और उच्चस्तरीय बनाने के उद्देश्य से प्रक्रिया का डिजिटलीकरण करने के प्रावधान नए कानूनों की विशेषता है। फारेंसिक जांच का दायरा अनुसंधान प्रक्रिया में बढ़ाकर जांच को निष्पक्ष और प्रभावी बनाया गया है। परन्तु यह चिन्ता का विषय है कि अब तक डिजिटलीकरण और फारेंसिक प्रयोगशालाओं को स्थापित करने की गतिविधियां उतनी रफ्तार से नहीं चल पाई हैं जितनी चलनी चाहिए थी। राज्य सरकारों के सीमित वित्तीय संसाधन इसके लिए कहीं न कहीं जिम्मेदार हैं। हालांकि, केन्द्र सरकार ने राज्यों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं, जिनमें 'महिलाओं और बच्चों के खिलाफ साइबर अपराधों की रोकथाम', 'साइबर न्यायवैधिक प्रशिक्षण प्रयोगशालाओं की स्थापना' और 'पुलिस के आधुनिकीकरण के लिए राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों को वित्तीय सहायता' देना सम्मिलित है।

संसाधन वृद्धि और क्षमता निर्माण के लिए इन योजनाओं का उपयोग करना राज्यों पर निर्भर करता है। पारम्परिक लाठीधारी सिपाहियों को एक तकनीक-प्रेमी पुलिस बल के रूप में बदलने के लिए पर्याप्त संख्या में साइबर-साक्षर और डिजिटल रूप से प्रशिक्षित जन-शक्ति की भर्ती करना, वित्तीय संकट और राजनीतिक आकाओं की अनिच्छा के कारण एक बड़ी चुनौती बन कर रह गई है। अभी तक, पुलिस विभाग कम शिक्षित ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार का मुख्य स्रोत है और भर्ती नीति में किसी भी बदलाव का जन-प्रतिनिधियों द्वारा कड़ा विरोध होने वाला है। न्याय प्रणाली से जुड़ी अन्य संस्थाओं का भी कमोबेश यही हाल है। आपराधिक न्याय प्रणाली के घटकों के कामकाज के आपसी समन्वय के लिए आवश्यक नए नियमों और प्रोटोकॉल तथा सॉफ्टवेयर को विकसित करना नए आपराधिक कानूनों को पूरी तरह से क्रियान्वित करने के लिए आवश्यक है।

मखाना

सेहत के लिए है बेहद फायदेमंद

रोज सुबह एक मुट्ठी खाने से मिलते हैं कई लाभ

बादाम, काजू, चिया सीड्स और क्विनोआ जैसे सुपरफूड्स के गुणों की चर्चा तो आपने खूब सुनी होगी, लेकिन क्या आपने कभी मखाने, यानी फॉक्स नट्स के अनमोल फायदों के बारे में सोचा है? मखाना जिसे फॉक्स नट भी कहा जाता है, एक ऐसा सुपरफूड है जो स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक अगर मखाने का रोजाना सेवन किया जाए तो शरीर में मौजूद कोलेस्ट्रॉल, सोडियम और प्रोटीन की कमी दूर होती है। इसके अलावा यह हड्डियों के लिए भी फायदेमंद है। खासतौर पर पुरुषों के लिए तो मखाने में भरपूर मात्रा में पोषक तत्व होते हैं। वहीं आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी, तनाव और अनहेल्दी डाइट के कारण पुरुषों में स्पर्म काउंट और प्रजनन स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं बढ़ रही हैं। मखाना इस समस्या का प्राकृतिक समाधान हो सकता है। मखाने में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और आवश्यक खनिज जैसे जिंक और मैग्नीशियम स्पर्म की क्वालिटी और संख्या को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। रोज सुबह एक मुट्ठी भुने हुए मखाने खाने से प्रजनन क्षमता में सुधार हो सकता है।

हृदय के लिए लाभदायक

हृदय रोग किसी भी इंसान के लिए एक प्रमुख स्वास्थ्य चिंता है। मखाने में मौजूद पोटैशियम, मैग्नीशियम और एंटीऑक्सीडेंट्स हृदय को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पोटैशियम ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करता है, जबकि मैग्नीशियम हृदय की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है। इसके अलावा, मखाने में कोलेस्ट्रॉल और ट्रांस फैट की मात्रा न के बराबर होती है, जिससे हार्ट अटैक का खतरा कम होता है। रोजाना मखाने खाने से हृदय संबंधी समस्याओं से बचाव होता है और समग्र स्वास्थ्य बेहतर रहता है।

मांसपेशियों की मजबूती

एक स्वस्थ शरीर के लिए मांसपेशियों की मजबूती और शारीरिक फिटनेस बहुत महत्वपूर्ण होती है, खासकर जो लोग जिम जाते हैं। मखाना प्रोटीन और फाइबर का अच्छा स्रोत है, जो मांसपेशियों के निर्माण और उनकी मरम्मत में मदद करता है। इसमें मौजूद अमीनो एसिड मांसपेशियों को मजबूत बनाते हैं और व्यायाम के बाद रिकवरी को तेज करते हैं। साथ ही, मखाना हल्का और आसानी से पचने वाला सुपरफूड है, जो आपके एनर्जी लेवल को बनाए रखता है।

वजन नियंत्रण में सहायक

मोटापा और बढ़ता हुआ वजन कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है, जिनमें डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और हृदय रोग शामिल हैं। मखाना कम कैलोरी और हाई फाइबर वाला खाद्य पदार्थ है, जो वजन नियंत्रित करने में मदद करता है। भूख लगने पर मखाना खाने से यह पेट को भरा हुआ महसूस कराता है और पाचन में भी मदद करता है। मखाने को भूनकर या हल्के मसाले के साथ सुबह नाश्ते में शामिल करके आप अपने वजन को नियंत्रित कर सकते हैं। प्राकृतिक स्वीटनर होने के कारण गुड़ में परिष्कृत चीनी की तुलना में कैलोरी भी कम होती है और ये आपको देर तक पेट भरा हुआ महसूस होने में मदद करता है। मखाना प्रोटीन, कैल्शियम, मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्वों से भरपूर होता है, जबकि गुड़ में आयरन, पोटेशियम और अन्य मिनरल्स मौजूद होते हैं। ये पोषक तत्व आपके समग्र स्वास्थ्य को बेहतर रखने के लिए फायदेमंद होता है।

हंसना मना है

एक शराबी ने दोस्तों के साथ पार्टी का प्रोग्राम बनाया और अपने ही घर से रात को बकरा चोरी किया और खूब दावत की! सुबह जब घर पहुंचा तो बकरा घर पर ही खड़ा था। शराबी ने अपनी बीवी से पूछा- बकरा कहां से आया...? बीवी (गुस्से में) - बकरे को गोली मारो, रात से अपना कुत्ता गायब है...!!!

पति-पत्नी का एक घंटे से चल रहा झगड़ा पति द्वारा बोली गई सिर्फ एक लाइन से खत्म हो गया.. और वो लाइन थी- सुंदर हो तो कुछ भी बोलोगी क्या?

पत्नी - सुनो जी, अगर मैं वक्त होती तो शायद सबको मेरी बहुत ज्यादा कद्र होती ना...? पति - हां प्रियतम, तुम्हारा खौफ होता चारों तरफ! पत्नी - खौफ क्यों होता...? पति - अरे, तुम्हें देखते ही लोग सहम जाते और कहते देखो बुरा वक्त आ रहा है...!!!

संता उदास बैठा था... बंता- क्या हुआ, उदास क्यों बैठा है...? संता- क्या बताऊं यार, किसी ने कहा कि पेड़ से हमें शीतल छाया मिलती है, मैं यहां पेड़ के नीचे तीन दिन से बैठा हूं, लेकिन न तो शीतल आयी और न छाया...!

कहानी | अनसुनी बुराई

एक बार स्वामी विवेकानंद रेल से कहीं जा रहे थे। वह जिस डिब्बे में सफर कर रहे थे, उसी डिब्बे में कुछ अंग्रेज यात्री भी थे। उन अंग्रेजों को साधुओं से बहुत चिढ़ थी। वे साधुओं की भर पेट निंदा कर रहे थे। साथ वाले साधु यात्री को भी गाली दे रहे थे। उनकी सोच थी कि चूंकि साधू अंग्रेजी नहीं जानते, इसलिए उन अंग्रेजों की बातों को नहीं समझ रहे होंगे। इसलिए उन अंग्रेजों ने आपसी बातचीत में साधुओं को कई बार भला - बुरा कहा। हालांकि उन दिनों की हकीकत भी थी कि अंग्रेजी जानने वाले साधु होते भी नहीं थे। रास्ते में एक बड़ा स्टेशन आया। उस स्टेशन पर विवेकानंद के स्वागत में हजारों लोग उपस्थित थे, जिनमें विद्वान् एवं अधिकारी भी थे। यहां उपस्थित लोगों को सम्बोधित करने के बाद अंग्रेजी में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर स्वामीजी अंग्रेजी में ही दे रहे थे। इतनी अच्छी अंग्रेजी बोलते देखकर उन अंग्रेज यात्रियों को सांप सूंघ गया, जो रेल में उनकी बुराई कर रहे थे। अवसर मिलने पर वे विवेकानंद के पास आये और उनसे नम्रतापूर्वक पूछा-आपने हम लोगों की बात सुनी। आपने बुरा माना होगा? स्वामीजी ने सहज शालीनता से कहा- मेरा मस्तिष्क अपने ही कार्यों में इतना अधिक व्यस्त था कि आप लोगों की बात सुनी भी पर उन पर ध्यान देने और उनका बुरा मानने का अवसर ही नहीं मिला। स्वामीजी का यह जवाब सुनकर अंग्रेजों का सिर शर्म से झुक गया और उन्होंने चरणों में झुककर उनकी शिष्यता स्वीकार कर ली।

कहानी से सीख- इस शिक्षाप्रद कहानी से सीख मिलती है कि हमें सदैव अपने लक्ष्य पर फोकस करना चाहिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष पारिवारिक सुख-शांति बनी रहेगी। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से सहयोग प्राप्त होगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थदर्शन हो सकते हैं। विवेक का प्रयोग करें, लाभ होगा।

वृषभ विवेक का प्रयोग करें। आय बनी रहेगी। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। व्यापार ठीक चलेगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है।

मिथुन जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। घर-परिवार में प्रसन्नता रहेगी। बाहर जाने का मन बनेगा। भाइयों से मतभेद दूर होंगे। घर-परिवार की चिंता रहेगी।

कर्क भूमि व भवन संबंधी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा। बड़ा काम करने का मन बनेगा। आय में वृद्धि होगी।

सिंह यात्रा मनोरंजक रहेगी। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। मनपसंद भोजन की प्राप्ति संभव है। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

कन्या विवाद से क्लेश होगा। जल्दबाजी में कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। अनावश्यक परेशानी खड़ी हो सकती है। दूसरों की बातों में न आएं।

तुला रुके कार्यों में गति आएगी। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। व्यापार ठीक चलेगा। मनोरंजक यात्रा हो सकती है। मित्रों के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा।

वृश्चिक व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा। भ्रम की स्थिति बन सकती है। बुद्धि का प्रयोग करें। कोई नया बड़ा काम करने की योजना बनेगी। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा।

धनु व्यावसायिक साझेदार पूर्ण सहयोग करेंगे। कोई नया उपक्रम प्रारंभ करने का मन बनेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है।

मकर सेहत को प्राथमिकता दें। लेन-देन में जल्दबाजी से हानि होगी। अनावश्यक जोखिम न लें। किसी भी व्यक्ति के उकसावे में न आएं। फालतू खर्च होगा।

कुम्भ आय में वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। प्रसन्नता रहेगी। मित्रों के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा। मनोरंजक यात्रा की योजना बनेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है।

मीन मान-सम्मान मिलेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। योजना फलीभूत होगी। घर-परिवार के साथ आराम तथा मनोरंजन के साथ समय व्यतीत होगा।

बॉलीवुड | खुशखबरी

अगले साल हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम से सम्मानित होंगी दीपिका पादुकोण

दीपिका पादुकोण का नाम बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेज में शुमार है। अपने इसी योगदान की बदौलत दीपिका ने ना सिर्फ भारत में बल्कि ग्लोबल लेवल पर भी खूब नाम कमाया। अब एक्ट्रेस के नाम एक और उपलब्धि दर्ज हो गई है। अब दीपिका ने कुछ ऐसा कमाल कर दिखाया जो इतिहास में आज तक किसी एक्टर ने नहीं किया। दरअसल दीपिका का नाम उन ग्लोबल स्टार्स में शामिल हो गया है जिन्हें अगले साल यानी 2026 में हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम सम्मान से नवाजा जाएगा। इसी के साथ ये सम्मान पाने वाली दीपिका पहली इंडियन सेलेब्रिटी बन जाएंगी। बुधवार को हॉलीवुड में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में माइली साइरस, टिमोथी चालमेट और अन्य ग्लोबल नामों के बीच इस सम्मान के लिए दीपिका के नाम की घोषणा की गई। हॉलीवुड अभिनेत्री एमिली ब्लंट, फ्रांसीसी अभिनेत्री कोटिलार्ड, कनाडाई अभिनेत्री रेचल मैकएडम्स, इतालवी अभिनेता फेंको नीरो और सेलिब्रिटी शेफ गॉर्डन रामसे को भी हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम स्टार से सम्मानित किया जाएगा। हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम कैलिफोर्निया की मशहूर टूरिस्ट लोकेशन है। 15 ब्लॉक की इस जगह में अभी तक 2500 से ज्यादा स्टार्स के नाम लगाए जा चुके हैं और अब इसमें दीपिका का नाम भी शामिल हो गया है। इस फेमस टूरिस्ट लोकेशन पर हर साल लाखों की संख्या में लोग घूमने के लिए आते हैं। बता दें कि साल 2017 में दीपिका ने xxx- रिटर्न ऑफ ज़ेंडर केज से हॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसमें उन्होंने विन डीजल के साथ स्क्रीन शेयर की थी। उन्होंने पिछले कुछ सालों में मेट गाला और कान्स फिल्म फेस्टिवल में अपनी मौजूदगी से सभी का ध्यान खींचा। इसके अलावा दीपिका को दुनिया भर के कुछ सबसे बड़े नामों के साथ जैसे टाइम्स की 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की सूची में भी शामिल किया जा चुका है।

अब ओटीटी पर रिलीज हुई कमल हासन की ठग लाइफ

लगभग दो दशकों के बाद, सुपरस्टार कमल हासन और लीजेंडरी फिल्म मेकर मणिरत्नम ने 'ठग लाइफ' के लिए कोलैबोरेट किया था। इस फिल्म की रिलीज से पहले काफी चर्चा थी लेकिन फिर ये कन्नड-तेलुगु भाषा विवाद में फंस गई और सिनेमाघरों में दस्तक देने के बाद ये उम्मीदों पर भी खरी नहीं उतर पाई। स्टार पावर और जबरदस्त प्रमोशन के बावजूद, फिल्म को निगेटिव रिव्यू मिले और इस बॉक्स ऑफिस पर काफी संघर्ष करना पड़ा। हालांकि अब ये फिल्म ओटीटी पर रिलीज हो रही है। चलिए जानते हैं इसे कब और कहां देख सकते हैं। कमल हासन स्टारर फिल्म 'ठग लाइफ' 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। हालांकि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ठंडी साबित हुई। वहीं जो दर्शक इस फिल्म को सिनेमाघरों में देखने से चूक गए हैं वे अब इसे घर बैठे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर एंजॉय कर सकते हैं। दरअसल 'ठग लाइफ' 3 जुलाई यानी आज से ओटीटी के दिग्गज प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर तेलुगु, तमिल, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी में स्ट्रीम हो रही है। मेकर्स को उम्मीद है कि सिनेमाघरों में निराशाजनक परफॉर्म करने के बाद ओटीटी पर इसे सेकंड लाइफ मिलेगी। 'ठग लाइफ' को 200 करोड़ के बजट में बनाया गया था और ये भारत में 48 करोड़ का नेट कलेक्शन कर पाई थी। वहीं दुनियाभर में इस फिल्म ने 97।25 करोड़ का कारोबार किया था। इसी के साथ ये फिल्म मेकर्स के लिए घाटे का सौदा साबित हुई है।

बॉलीवुड | मसाला

अपराध और सत्ता संघर्षों से भरी दुनिया में स्थापित, ठग लाइफ़, शक्तिवेल की लाइफ पर बेस्ड है, जो एक ख़तरनाक अंडरवर्ल्ड डॉन है, जो एक अनाथ अमरन नाम के एक लड़के की परवरिश करता है। जैसे-जैसे साल बीतते हैं, परिवार के भीतर विश्वासघात पनपता है, जिससे शक्तिवेल और अमरन के बीच ड्रामैटिक अनबन होती है। झूठ और चालाकी अपनाकर, अमरन अपने गुरु के खिलाफ़ हो जाता है। फिल्म की कहानी वफ़ादारी और बदले के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में कमल हासन के अलावा अभिराम, जोजू जॉर्ज, अशोक सेलवन सहित कई कलाकारों ने अहम रोल प्ले किया है। इसका निर्माण राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल, मद्रास टॉकीज और रेड जायंट मूवीज द्वारा किया गया है। फिल्म में आइकॉनिक एआर रहमान का म्यूजिक है।

ऑनलाइन ट्रोलिंग से डरती नहीं हैं शनाया कपूर

90 के दशक के मशहूर एक्टर संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर जल्द ही फिल्म आंखों की गुस्ताखियां से बॉलीवुड में अपना डेब्यू करने जा रही हैं। इस फिल्म में इनके साथ विक्रांत मैसी लीड रोल में नजर आएंगे। वहीं इस फिल्म का ट्रेलर मंगलवार 1 जुलाई 2025 को जारी हो गया है, जिसके बाद से फिल्म को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। डेब्यू से पहले ही शनाया को स्टारकिड होने की वजह से काफी ट्रोल किया जा रहा है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान शनाया ने खुद की ट्रोलिंग को लेकर खुलकर बात की है। इंडियन एक्सप्रेस से बात करते हुए उन्होंने बताया कि वो ऑनलाइन ट्रोलिंग से डरती नहीं हैं, बल्कि वो खुद अपने बारे में नेगेटिव कमेंट्स और आर्टिकल्स पढ़ती रहती हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि उनके लिए ये जानना बहुत जरूरी है कि लोग उनके बारे में क्या सोचते हैं, ताकि वो खुद को सुधार सकें।शनाया ने बताया कि कुछ कमेंट्स बहुत ज्यादा पर्सनल और बुरे होते हैं, जैसे उनकी बॉडी, लुक्स या कपड़ों को लेकर, लेकिन अब उन्होंने फिल्टर करना सीख लिया है। वो कहती हैं कि जो बातें उनके काम से जुड़ी होती हैं, वो उन्हें पॉजिटिव फीडबैक की तरह लेती हैं, और खुद को इंप्रूव करती हैं। शनाया की डेब्यू फिल्म की बात करें, तो ये फिल्म 11 जुलाई 2025 को सभी सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

अजब-गजब | रेलवे स्टेशन पर समुद्र तल से ऊंचाई का मतलब क्या

ट्रेन ड्राइवर को समझने के लिए लिखा होता है समुद्र तल की ऊंचाई

भारत में एक जगह से दूसरे जगह जाने के लिए ज्यादातर लोग ट्रेन का इस्तेमाल करते हैं। रेलवे न सिर्फ समय से गंतव्य स्थल पर पहुंचाने का काम करती है, बल्कि इससे सफर करना सस्ता भी होता है। लेकिन सफर के दौरान हमारी आंखों के सामने कई बार ऐसी चीजें भी आ जाती हैं, जिनके बारे में हमें बिल्कुल नहीं पता होता। कई बार लोग उन चीजों को देखकर भी इग्नोर कर देते हैं। उन्हें लगता है कि शायद इसके बारे में जानना जरूरी नहीं है। लेकिन वे चीजें वाकई में बेहद महत्वपूर्ण होती हैं, जिनके बारे में जानने के बाद आपको भी अपने सामान्य ज्ञान पर फख्र महसूस होगा। ऐसा ही एक शब्द रेलवे स्टेशन पर अक्सर दिखाई देता है, वो है समुद्र तल से ऊंचाई।

जब भी हम रेलवे स्टेशन पर ट्रेन पकड़ने जाते हैं तो वहां पीले रंग के बोर्ड पर हमारी नजर पड़ती है, जिस पर हिंदी, अंग्रेजी और स्थानीय भाषा में उस स्टेशन का नाम लिखा होता है। लेकिन इसके ठीक नीचे समुद्र तल से ऊंचाई लिखी होती है। लेकिन समुद्र तल से ऊंचाई का क्या मतलब? रेलवे स्टेशन पर ऐसा क्यों लिखा होता है? क्या रेल ड्राइवर के लिए ये कोई संकेत होता है? रेलवे स्टेशन के नाम के बोर्ड के निचले हिस्से पर उस स्टेशन से समुद्र तल की ऊंचाई का भी जिक्र होता है, जैसे-

समुद्र तल से ऊंचाई 95.35 स्क्वह्य। अलग-अलग रेलवे स्टेशन पर ये संख्या अलग-अलग होती है। कई जगहों पर इसे शॉर्ट में स्क्रु भी लिख दिया जाता है।

देश के लगभग सभी रेलवे स्टेशन के पीले बोर्ड पर समुद्र तल से ऊंचाई लिखी जाती है। लेकिन इसका आम लोगों से कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन ये संकेत किसी भी ट्रेन चालक और गार्ड के लिए बेहद जरूरी होता है। यह मुसाफिरों की सुरक्षा से जुड़ा संकेत होता है।

किसी भी रेलवे स्टेशन पर समुद्र तल से ऊंचाई का जिक्र ट्रेन के ड्राइवर और गार्ड की मदद के लिए किया जाता है, जिससे ट्रेन के ड्राइवर को इस बात की जानकारी हो सके कि आगे अगर हम ऊंचाई की तरफ ट्रेन को लेकर चल रहे हैं तो हमें ट्रेन की स्पीड कितनी रखनी है। गाड़ी के इंजन को कितनी पावर सप्लाई देनी है, जिससे वो आसानी से ऊंचाई की तरफ आगे बढ़ सके।

इसी तरह अगर ट्रेन समुद्र तल के लेवल से नीचे की तरफ जा रही है तो ड्राइवर को ट्रेन की गति कितनी रखनी होगी। अगर ट्रेन नीचे की ओर जाएगी तो किस रफ्तार में गाड़ी आगे बढ़ानी है। यही सब जानने के लिए समंदर तल की ऊंचाई लिखी जाती है। ऐसे में साफ तौर पर कहा जा सकता है कि समुद्र तल की ऊंचाई के आधार पर लोको पायलट यानी ट्रेन के चालक को दो स्टेशन के बीच ऊंचाई और गहराई का अंदाजा मिल जाता है जो ट्रेन की स्पीड बढ़ाने और घटाने में सहायक होती है।

सिर्फ सजावट ही नहीं कई और मुख्य सुविधाएं होती हैं कांच से बनी इमारतों में

ऊंची इमारतों की सबसे खास बात यह होती है कि वे काफी लंबी होती हैं और उनमें ज्यादातर दीवारें कांच (ग्लास) से बनी होती हैं। दूर से देखने पर ये इमारतें बेहद आकर्षक और स्टाइलिश नजर आती हैं। पर सवाल यह है कि आखिर क्यों अधिकतर ऊंची और मॉडर्न इमारतें कांच से ही बनाई जाती हैं?

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की इमारतों में एक बड़ा अंतर होता है। विशेष रूप से उन इलाकों में जहां आईटी कंपनियां या कॉर्पोरेट ऑफिस अधिक संख्या में मौजूद होते हैं, वहां की इमारतों की बनावट और डिज़ाइन काफी अलग और आधुनिक दिखाई देती है। इन इमारतों की सबसे खास बात यह होती है कि वे काफी ऊंची होती हैं और उनमें ज्यादातर दीवारें कांच (ग्लास) से बनी होती हैं। दूर से देखने पर ये इमारतें बेहद आकर्षक और स्टाइलिश नज़र आती हैं। पर सवाल यह है कि आखिर क्यों अधिकतर ऊंची और मॉडर्न इमारतें कांच से ही बनाई जाती हैं? क्या इसका कारण सिर्फ इनका लुक और डिज़ाइन है या इसके पीछे कोई वैज्ञानिक और व्यावहारिक सोच भी है? आइए जानते हैं। **बिजली की बचत**-कांच से बनी इमारतों का सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि प्राकृतिक रोशनी सीधे अंदर आती है, जिससे दिन के समय कृत्रिम रोशनी (लाइट्स) की जरूरत कम होती है। इस तरह बिजली की खपत में काफी कमी आती है, जो लंबे समय में बिजली बिल को भी कम करता है। **तापमान नियंत्रण**-इन इमारतों में साधारण कांच का नहीं, बल्कि विशेष प्रकार का इंसुलेटेड ग्लास इस्तेमाल किया जाता है। यह ग्लास बाहर की गर्मी या ठंड को अंदर नहीं आने देता, जिससे एयर कंडीशनर या हीटर के उपयोग की आवश्यकता कम पड़ती है। इससे न केवल ऊर्जा की बचत होती है बल्कि पर्यावरण पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। **मज़बूत निर्माण**-आधुनिक ग्लास टेक्नोलॉजी की वजह से अब कांच से बनी इमारतें भूकंप, तूफ़ान या अन्य प्राकृतिक आपदाओं का सामना करने में सक्षम हैं। इन इमारतों में इस्तेमाल किया गया कांच शॉक-प्रूफ और वेदर-रेसिस्टेंट होता है। नमी और मौसम की मार से इन्हें कोई खास नुकसान नहीं होता।

भाजपा विधायक ने ओडिशा में की मर्यादा तार-तार

विपक्ष के निशाने पर आई बीजेपी सरकार

» शर्मनाक : बीजद की महिला नेता पर आपत्तिजनक टिप्पणी से ओडिशा में छिड़ा राजनीतिक विवाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कटक। ओडिशा में भाजपा के नीलगिरि विधायक संतोष खटुआ द्वारा बीजद सदस्य लेखाश्री सामंतसिंहर के लिए कथित अपमानजनक टिप्पणी ने विवाद को जन्म दे दिया है। लेखाश्री, जो 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा से बीजद में शामिल हो गईं और बालासोर संसदीय सीट से चुनाव लड़ीं, ने दावा किया कि विधायक ने उनके और ओडिशा की महिला नेताओं के बारे में महिला विरोधी टिप्पणी की थी। विधायक ने पलटवार करते हुए कहा कि आरोप निराधार हैं। बालासोर जिले के नीलगिरी थाने में खटुआ के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। नीलगिरी की शांति लता बिस्वाल ने अपनी प्राथमिकी में मांग की है कि महिलाओं को शर्मिंदा करने वाले उनके बयानों के लिए खटुआ के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी तथा भाजपा से माफी की मांग की गई। बीजद की वरिष्ठ महासचिव और प्रवक्ता लेखाश्री सामंतसिंघर ने अपने 'एक्स' पोस्ट में एक पत्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को टैग कर उनका ध्यान इस ओर आकर्षित किया। बालासोर जिले के नीलगिरि विधानसभा क्षेत्र से विधायक खटुआ ने कुछ टेलीविजन चैनलों को दिए बयान में सामंत सिंघार के चरित्र पर कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी की थी। इस बीच, बृहस्पतिवार शाम को नीलगिरि थाने में अलग-अलग व्यक्तियों द्वारा कम से कम तीन प्राथमिकियां दर्ज कराई गईं, जिनमें खटुआ पर महिला के खिलाफ अपमानजनक और आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया गया है। विवाद बुधवार को सामंतसिंह द्वारा की गई प्रेस वार्ता से शुरू हुआ, जिसमें उन्होंने खटुआ पर 15 जून को बालासोर के नीलगिरी इलाके में एक हाथी की जान लेने और उसके दांत चोरी करने में शामिल होने का आरोप लगाया। उन्होंने भाजपा विधायक को चोर और डकैत भी कहा। इसके बाद खटुआ की टिप्पणी वायरल हो गई, हालांकि एजेंसी ने इस वीडियो की सत्यतता की पुष्टि नहीं की है।

भाजपा नेताओं की गहरी चुप्पी चिंता जनक: पटनायक

विपक्ष के नेता और बीजद अध्यक्ष नवीन पटनायक ने भाजपा विधायक की टिप्पणी की कड़ी निंदा की और लोगों से एक महिला के खिलाफ इस तरह के शब्दों का विरोध करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, अन्यथा, एक राज्य के रूप में हम अपनी बेटियों और माताओं के सामने असफल हो जायेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर कहा कि सबसे अधिक चिंताजनक पहलू भाजपा नेताओं की गहरी चुप्पी है।

भाजपाईयों की छवि खराब करने की साजिश : अनिल

आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा प्रवक्ता अनिल बिस्वाल ने खटुआ का बचाव करते हुए दावा किया कि उन्हें हाथी शिकार मामले में फंसाया जा रहा है। बिस्वाल ने एक बयान में कहा, बीजद ने झूठे आरोप लगाने में पीएचडी कर ली है। उन्होंने आरोप लगाया, बीजद के कार्यकाल में भी हाथियों को मारा गया। यह भाजपा विधायकों की छवि खराब करने की साजिश के अलावा और कुछ नहीं है।

शिवकुमार सीएम बनें, लेकिन कुर्सी खाली नहीं है: डीके सुरेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद डी के सुरेश ने कहा कि उनकी इच्छा है कि उनके बड़े भाई और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार कर्नाटक के मुख्यमंत्री बनें, लेकिन यह कुर्सी अभी खाली नहीं है। उन्होंने कहा कि भाग्य, ईश्वर और लोगों के आशीर्वाद के साथ-साथ हर चीज का समय आता है। सुरेश ने कहा, मेरी इच्छा है कि मेरे बड़े भाई एक दिन मुख्यमंत्री बनें, क्योंकि उन्होंने पार्टी के लिए वफादारी से काम किया है। राज्य के कई हिस्सों में लोगों ने भी कांग्रेस पार्टी का समर्थन किया है और विश्वास जताया है कि शिवकुमार को मौका मिलेगा। उन्होंने यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा, मेरी इच्छा है कि वह मुख्यमंत्री बनें, लेकिन अभी कुर्सी (पद) खाली नहीं है।

क्या करें? यह पूछे जाने पर कि क्या वह चाहते हैं कि मौजूदा सरकार के कार्यकाल में शिवकुमार मुख्यमंत्री बनें, उन्होंने कहा, मैं अभी इस पर टिप्पणी करने के लिए बहुत छोटा हूं। इसका फैसला पार्टी आलाकमान को करना है। अभी सिद्धरमैया हमारे नेता हैं और पार्टी की ओर से मुख्यमंत्री हैं। सिद्धरमैया ने कहा है कि वह पूरे पांच साल के लिए कर्नाटक के मुख्यमंत्री रहेंगे। इसके बाद शिवकुमार ने बुधवार को कहा कि उन्हें कोई आपत्ति नहीं है और वह सिद्धरमैया के साथ खड़े रहेंगे तथा उनका समर्थन करेंगे। इस बीच, रामनगर से विधायक एच ए इकबाल हुसैन ने कहा, प्रतीक्षा करें और देखें। उन्हें शिवकुमार के मुख्यमंत्री बनने का बयान देने के लिए पार्टी ने कारण बताओ नोटिस दिया है।

नगर निगम की कार्यप्रणाली से नाराज हैं बीजेपी पार्षद

» कार्यकारिणी चुनाव और सदन की बैठक न होने पर घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ में कार्यकारिणी सदस्य चुनने और सदन की बैठक बुलाए जाने में हो रही देरी से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पार्षदों में नाराजगी है। पार्षदों का कहना है कि बार-बार सदन की बैठक टलने और कार्यकारिणी गठन न होने से शहर के विकास कार्यों में गंभीर बाधाएं आ रही हैं।पार्षदों का कहना है कि महापौर को कार्यकारिणी के लिए जिनका भी चयन करना है, वह जल्द करें ताकि नगर निगम के महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा सकें और आम जनता को राहत मिल सके।

लेकिन जब तक यह प्रक्रिया पूरी नहीं होती, तब तक सड़कों की मरम्मत से लेकर अन्य विकास कार्यों पर भी असर पड़ रहा है। गौरतलब है कि इस बार के बजट में नगर निगम को सड़कों की मरम्मत (पैच वर्क) के लिए 10 करोड़ रुपये का प्रस्ताव पास करना है, जो सदन में अनुमोदन के बिना संभव नहीं है। इस वजह से शहर के कई इलाकों में खराब सड़कों की मरम्मत लटकी हुई है।बीजेपी संगठन की ओर से कार्यकारिणी के संभावित नाम तय कर दिए गए हैं, लेकिन अब तक उन पर सहमति नहीं बन पाई है। यही वजह है कि कार्यकारिणी का गठन लंबित है और सदन की बैठकें भी बार-बार टाली जा रही हैं।

मेयर और पार्टी के कुछ गुटों के बीच खींचतान

पार्षदों ने यह भी आरोप लगाया है कि मेयर और पार्टी के कुछ गुटों के बीच खींचतान के कारण निर्णय लेने की प्रक्रिया लंबित है, जिसका खामियाजा शहरवासियों को भुगतना पड़ रहा है।जनता की बुनियादी समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक है कि जल्द से जल्द कार्यकारिणी का गठन हो और सदन की नियमित बैठकें आयोजित की जाएं।

स्मार्ट सिटी लखनऊ की खुली पोल

» वीवीआईपी क्षेत्र महानगर में सड़क पर बह रहा है नालियों का पानी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम जोन-3 के वीवीआईपी क्षेत्र माने जाने वाले महानगर गोल मार्केट व क्लासिक चौराहे का हाल इन दिनों बदहाल है। यहां नालियों का पानी ओवरफ्लो होकर पूरी सड़क पर बह रहा है, जिससे लोगों का चलना तक मुश्किल हो गया है। स्मार्ट सिटी के दावों की सच्चाई पानी में बहती नालियों ने उजागर कर दी है।हैरानी की बात यह है कि इसी क्षेत्र में नगर निगम का बालदा ऑफिस स्थित है, जहां पर सफाई व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालने वाले सफाई निरीक्षक का दफ्तर भी मौजूद है, मगर निरीक्षण और निगरानी पूरी तरह से नदारद है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय से नालियों की सफाई नहीं हुई है।

स्मार्ट सफाई व्यवस्था पर उठे सवाल

वहीं, बारिश के दौरान कार्यदायी संस्था के सफाई कर्मचारी बिना किसी सुरक्षा उपकरण के काम कर रहे हैं। न तो हाथों में ग्लव्स, न पैरों में गमबूट, न चेहरों पर मास्क और न ही पहचान वाली वर्दी—सभी दिशा-निर्देशों की खुलेआम अवहेलना हो रही है। नगर निगम की यह लापरवाही न केवल नियमों की अनदेखी है, बल्कि कर्मचारियों की जान के साथ भी खिलवाड़ है। साफ दिख रहा है कि नाली की सफाई कर्मचारी सीवर में सीधे हाथ डालकर कर रहा है, जिससे स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़े गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। अब सवाल यह है कि नगर निगम ऐसी संस्थाओं पर क्या कार्रवाई करेगा? क्या वीवीआईपी इलाकों में भी लापरवाही पर चुप्पी साधे रखी जाएगी?

अजेय बढ़त हासिल करने उतरेगी भारतीय टीम

» इंग्लैंड के साथ तीसरे टी20 में श्री चरणी और हरमनप्रीत पर रहेंगी नजरें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ओवल। पहले दो मैच में आसान जीत दर्ज करने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम इंग्लैंड के खिलाफ पहली बार टी20 सीरीज में जीत की दहलीज पर है। पांच मैचों की सीरीज में 2-0 से आगे मेहमान टीम आज तीसरे टी20 में जीत की हैट्रिक के साथ इतिहास रचने के इरादे से उतरेगी। टीम ने पांच मैच की सीरीज के पहले मैच में इंग्लैंड को रिकॉर्ड 97 रन से हराया तथा उसके बाद ब्रिस्टल में 24 रन से जीत दर्ज की जो इंग्लैंड की महिला टीम की इस मैदान पर खेल के सबसे छोटे प्रारूप में पहली हार थी। अगले वर्ष इंग्लैंड में होने वाले आईसीसी महिला टी20 विश्वकप की तैयारी को देखते हुए काफी महत्व रखता है। भारतीय टीम ने अब तक बेहतरीन प्रदर्शन किया है। उपकप्तान स्मृति मंधाना ने पहले मैच में शतक बनाया तो हरलीन देओल ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। दूसरे मैच में अमनजोत कौर और जेमिमा रोड्रिग्स ने अर्धशतक लगाकर टीम को मुश्किल स्थिति से उबारा और उसे मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। वहीं पहले मैच में नहीं खेल पाने वाली कप्तान हरमनप्रीत ने दूसरे मैच में केवल दो गेंद का सामना किया और वह भी अहम पारी खेलना चाहेंगी। बाएं हाथ की स्पिनर श्री चारणी अपनी पहली सीरीज में ही स्टार खिलाड़ी बनकर उभरी हैं। इस 20 वर्षीय खिलाड़ी ने छह विकेट चटकाए हैं।

टेस्ट में दोहरा शतक लगाने वाले दूसरे युवा भारतीय कप्तान बने गिल

शुभमन ने सचिन और कोहली को छोड़ा पीछे

बर्मिंघम। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में दोहरा शतक जड़ा। गिल के टेस्ट करियर का यह पहला दोहरा शतक है। भारत ने दूसरे दिन की शुरुआत पांच विकेट पर 310 रन से की थी, लेकिन गिल और रवींद्र जडेजा ने छठे विकेट के लिए 203 रन जोड़कर भारत को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। गिल टेस्ट में दोहरा शतक लगाने वाले भारत के दूसरे युवा कप्तान हैं। उन्होंने इस मामले में सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया है। गिल ने 25 साल 298 दिन की उम्र में यह कारनामा किया है। सचिन ने यह कारनामा करते वक्तउम्र 26 साल 189 दिन थी। वहीं, कोहली की 27 साल 260 दिन की थी। इसके अलावा गिल इंग्लैंड में एक पारी में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में दिग्गज भारतीय बल्लेबाज सुनील गावस्कर को पीछे छोड़ दिया है।

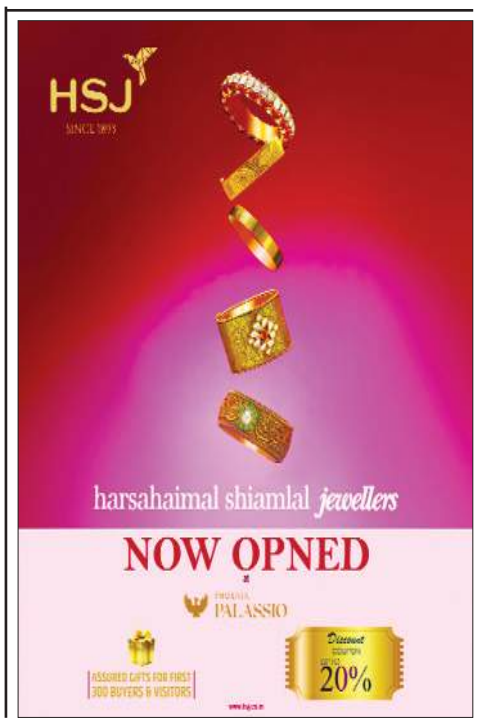

संवेदनहीनता की हद! मुआवजे के बदले एयर इंडिया दे रहा धमकी

» प्रश्नावली को पूरा करने में विफल रहने पर कोई मुआवज़ा नहीं देने की दी चेतावनी

» परिजनों का आरोप- जबरन भरवाया कानूनी फॉर्म

» एयरलाइन ने किया इनकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। संवेदनहीनता की हद हो गई है। एकतरफ तो लोगों ने अपनों की जान गवांई हैं। वहीं एयर इंडिया ने ऐसी शर्मनाक हरकत की है जिससे मानवता शर्मसार हुई है।

दरअसल, अहमदाबाद में एयर इंडिया-171 विमान दुर्घटना में 241 लोगों की मौत के कुछ सप्ताह बाद, पीड़ितों के परिवारों ने एयरलाइन पर शुरुआती मुआवज़ा प्रक्रिया के दौरान उन पर दबाव डालने का आरोप लगाया है।

उनका आरोप है कि उन्हें कंपनी द्वारा प्रदान की गई प्रश्नावली को पूरा करने में विफल रहने पर कोई मुआवज़ा नहीं देने की धमकी दी जा रही थी। उन्होंने यह भी दावा किया है कि मुआवजा भुगतान में कटौती करने के कथित प्रयास में उन्हें अपने परिवार के मृतक सदस्य पर अपनी वित्तीय निर्भरता का खुलासा करने वाले कागजात पर हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर किया गया था। एयरलाइन्स ने आरोपों को निराधार और गलत बताते हुए खारिज कर दिया।

ये है आरोप

एक अधिकारी ने कहा कि फर्म अहमदाबाद की एक कानूनी फर्म नानावटी और नानावटी के साथ मिलकर काम कर रही है, ताकि एयर इंडिया, बोइंग और अन्य संभावित जिम्मेदार पक्षों के खिलाफ उनके दावों में भारतीय परिवारों की सहायता की जा सके। स्टीवर्ट्स के एक पार्टनर पीटर नीनान ने एयर इंडिया की आलोचना की कि उसने एक विस्तृत प्रश्नावली वितरित की है जिसमें कथित तौर पर बिना किसी स्पष्टीकरण के कानूनी शब्द शामिल हैं। नीनान ने कहा, हमारे ग्राहकों ने हमें प्रश्नावली दिखाई है। इसमें कानूनी रूप से महत्वपूर्ण जानकारी की मांग की गई है, जिसमें कानूनी परिभाषा वाले शब्दों का इस्तेमाल किया गया है, जो परिवारों को नहीं बताया जा रहा है। बाद में इस जानकारी का इस्तेमाल उनके खिलाफ किया जा सकता है। हम हैरान और स्तब्ध हैं। उन्हें शर्म आनी चाहिए। वकीलों का दावा है कि परिवारों को कानूनी मार्गदर्शन के बिना बहुत ज्यादा गर्मी में फ़ॉर्म भरने के लिए कहा गया था और कथित तौर पर कहा गया था कि अनुपालन न करने का मतलब है कि कोई भी भुगतान नहीं किया जाएगा। फ़ॉर्म में पूछा गया है कि क्या व्यक्ति मृतक पर आर्थिक रूप से निर्भर था - एक ऐसा सवाल जिसके बारे में वकीलों का कहना है कि यह अंतिम मुआवज़े की राशि को प्रभावित कर सकता है।

मुआवजे के प्राप्तकर्ताओं से बुनियादी जानकारी मांगी : एयर इंडिया

एयर इंडिया ने आरोपों के जवाब में एक बयान जारी किया और कहा कि उसने मुआवजे के प्राप्तकर्ताओं से बुनियादी जानकारी मांगी थी ताकि पारिवारिक संबंध स्थापित किए जा सकें और यह सुनिश्चित किया जा सके कि भुगतान उन लोगों को मिले जो उनके हकदार हैं। एयरलाइन ने मृतक पर वित्तीय निर्भरता के बारे में सवाल शामिल करने के पीछे एक कारण दिया और कहा कि यह सहायता की सबसे अधिक ज़रूरत वाले लोगों को भुगतान की प्रक्रिया के लिए एक उचित और आवश्यक प्रश्न था। एयर इंडिया इन आरोपों को स्पष्ट रूप से खारिज करती है और इन्हें निराधार और गलत बताती है।

गलतफहमी में है आप: तारिक अनवर

अरविंद केजरीवाल पर कांग्रेस का पलटवार, कहा-गैरजिम्मेदाराना बयान से बचें

» बोले कांग्रेस नेता- आप का बिहार में संगठन नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता तारिक अनवर ने अरविंद केजरीवाल की टिप्पणी पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि हम अरविंद केजरीवाल का सम्मान करते हैं। वह वर्तमान में एक पार्टी नेता और एक पार्टी (आप) के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी हैं, इसलिए उन्हें इस तरह के गैरजिम्मेदाराना बयान देने से बचना चाहिए। अगर वह बिहार का दौरा कर रहे हैं, तो उन्हें कोई नहीं रोक रहा है।

उन्होंने कहा कि हर पार्टी और नेता को अपनी पार्टी की विचारधारा को बढ़ावा देने के लिए कहीं भी जाने का अधिकार है। इसके साथ ही कांग्रेस नेता ने साफ तौर पर कहा कि हालांकि, सच्चाई यह है कि केजरीवाल की बिहार में कोई वास्तविक संगठनात्मक उपस्थिति नहीं है। हां, वह (बिहार) का दौरा कर रहे हैं, लेकिन चुनाव परिणाम आने के बाद उन्हें अपनी गलतफहमी का एहसास होगा। भ्रम की कोई गुंजाइश नहीं है, बिहार चुनाव के नतीजे सब कुछ स्पष्ट कर देंगे। आपको बता दें कि केजरीवाल ने गुरुवार को कहा कि पार्टी आगामी बिहार विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हम बिहार में कांग्रेस या इंडिया ब्लॉक सहयोगियों के समर्थन के बिना ही चुनाव में उतरेंगे। केजरीवाल ने कहा कि इंडिया ब्लॉक केवल लोकसभा चुनावों के लिए था। अब कांग्रेस के साथ कोई गठबंधन नहीं है। अगर गठबंधन था तो कांग्रेस ने विसावदर उपचुनाव क्यों लड़ा। वे हमें हराने आए थे। भाजपा ने हमें हराने और वोट काटने के लिए कांग्रेस को भेजा था। बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने की उम्मीद है। हालांकि, चुनाव आयोग ने तारीखों की घोषणा नहीं की है। गौरतलब है कि बिहार में सभी 243 सीटों के लिए विधानसभा चुनाव अक्टूबर या नवंबर 2025 में होने हैं। पिछले विधानसभा चुनाव अक्टूबर-नवंबर 2020 में हुए थे।

महागठबंधन में शामिल होंगे ओवैसी, लालू यादव को लिखा पत्र

बिहार में एआईएमआईएम इस साल के अंत में होने वाले बिहार चुनाव में एकजुट मोर्चा बनाने और अल्पसंख्यक वोटों को एकजुट करने के लिए महागठबंधन में शामिल होना चाहती है। सूत्रों ने बताया कि बिहार के एआईएमआईएम प्रमुख और विधायक अख्तरुल ईमान ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू यादव को एक पत्र लिखा है, जिसमें हैदराबाद स्थित पार्टी को महागठबंधन में शामिल करने का अनुरोध किया गया है। पत्र में इमाम ने कहा कि एक साथ चुनाव लड़ने से यह सुनिश्चित होगा कि धर्मनिरपेक्ष वोट बिखरेंगे नहीं और अगली सरकार बनाने के लिए महागठबंधन के पास बेहतर अवसर होंगे। हालांकि, इमाम ने यह भी कहा कि एआईएमआईएम को महागठबंधन में शामिल करने पर जल्दी निर्णय नहीं लेना राजद के लिए एक खोया हुआ अवसर माना जाएगा। इमाम ने कहा कि हमने आरजेडी, कांग्रेस और महागठबंधन के अन्य दलों से उनके साथ जुड़ने के लिए बात की है।

राहुल संविधान बचाओ रैली में भाजपा को घेरेंगे

» 11 जुलाई को ओडिशा पहुंचेंगे नेता प्रतिपक्ष, भुवनेश्वर में तैयारी तेज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अभियान के तहत 11 जुलाई को ओडिशा का दौरा करेंगे। कांग्रेस नेता के भुवनेश्वर के बारामुंडा मैदान में आयोजित होने वाली 'संविधान बचाओ' नामक सार्वजनिक रैली में शामिल होने की संभावना है। इस रैली में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल भी शामिल होंगे।

ओडिशा प्रदेश कांग्रेस समिति (पीसीसी) के अध्यक्ष भक्त चरण दास ने मंगलवार को उच्च स्तरीय भागीदारी की पुष्टि करते हुए अपडेट साझा किया। इस यात्रा से पहले, कांग्रेस पार्टी ने भुवनेश्वर स्थित कांग्रेस भवन में अपनी विस्तारित राजनीतिक मामलों की समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई। इस बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और रणनीतिकारों ने भाग लिया, जिन्होंने गांधी की रैली की शानदार सफलता सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत योजनाओं पर चर्चा की। पीसीसी नेताओं ने कांग्रेस के संदेश और 'संविधान बचाओ' अभियान की राष्ट्रीय प्रासंगिकता को उजागर करने के लिए मजबूत समन्वय और जन-आंदोलन के महत्व पर जोर दिया। 2024 के आम चुनावों के बाद गांधी का यह पहला ओडिशा दौरा है।

इस बीच, गांधी ने पिछले एक साल में कई बार राज्य की भाजपा सरकार की आलोचना की है, जिसमें महिलाओं और दलितों के खिलाफ अत्याचार के बढ़ते मामलों, सहित कई घटनाओं पर चिंता जताई है। गांधी ने पुरी में हुई दुर्भाग्यपूर्ण भगदड़ की घटना को लेकर राज्य सरकार की आलोचना की थी जिसमें 29 जून को तीन तीर्थयात्रियों की मौत हो गई थी और 50 अन्य घायल हो गए थे। राज्य सरकार ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं और 30 दिनों के भीतर जांच रिपोर्ट मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी को सौंपी जाएगी।

पटना यूनिवर्सिटी में लॉटरी से हुई प्रिंसिपल की नियुक्ति पर बवाल

» बसपा ने भाजपा को घेरा

» मायावती बोलीं- गलत परंपरा डाल रही है एनडीए सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। पटना यूनिवर्सिटी के पांच कॉलेजों को को नए प्रिंसिपल मिले लॉटरी सिस्टम से इनकी नियुक्ति की गई है। इस पर अब बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की प्रतिक्रिया आई है। शुक्र वार (04 जुलाई, 2025) को मायावती ने एक्स पर पोस्ट कर इस तरह से हुई नियुक्ति को लेकर सवाल उठाया।

एक्स पोस्ट के जरिए मायावती ने कहा,बिहार के प्रसिद्ध पटना विश्वविद्यालय के पांच प्रतिष्ठित कॉलेजों में लॉटरी की नई व्यवस्था के तहत प्रिंसिपलों की नियुक्ति का मामला दिलचस्प होने के कारण देश भर में खासकर

मीडिया व शिक्षा जगत में काफी चर्चाओं में है। स्थापित परंपरा से हटकर, लॉटरी के जरिए नियुक्ति की एक प्रकार से विचित्र व्यवस्था लागू करने के कारण केवल कला (आर्ट्स) विषयों की पढ़ाई वाले 1863 में स्थापित पटना कॉलेज में केमिस्ट्री के प्राध्यापक प्रो. अनिल कुमार प्राचार्य बन गए हैं, जबकि बिहार विश्वविद्यालय में गृह विज्ञान की प्राचार्य प्रो. अल्का यादव विज्ञान की उच्च शिक्षा के लिए प्रख्यात पटना साइंस कॉलेज की नई प्रिंसिपल नियुक्त हुई है।

बेनीवाल सहित सभी पूर्व विधायकों को सरकारी आवास खाली करने का नोटिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजधानी जयपुर में सांसद हनुमान बेनीवाल, उनके भाई व पूर्व विधायक नारायण बेनीवाल तथा पूर्व विधायक पुखराज गर्ग को सरकारी आवास खाली नहीं करने के मामले में बेदखली नोटिस जारी किया गया है। यह नोटिस सम्पदा अधिकारी और एडीएम (ज्यूडिशियल) की ओर से जारी किया गया है, जिसमें तीनों को 11 जुलाई तक जवाब देने के लिए कहा गया है।

जानकारी के अनुसार पीडब्ल्यूडी विभाग ने ज्योति नगर और जालूपुरा क्षेत्र के सरकारी आवासों को लेकर परिवाद दर्ज कराया था, जिसके आधार पर यह कार्रवाई की गई है। इन नेताओं को विधायक न रहते हुए भी अब तक आवास खाली न करने पर पहले भी नोटिस भेजे

जा चुके हैं लेकिन इनकी तरफ से कोई ठोस जवाब नहीं मिला था। इस मामले में सबसे बड़ी कार्रवाई बीती देर रात हुई, जब हनुमान बेनीवाल के जालूपुरा स्थित सरकारी आवास पर बेदखली नोटिस चस्पा किया गया। ये नोटिस सरकार की ओर से यह संकेत स्पष्ट है कि अब बिना अधिकृत हक के सरकारी संपत्तियों पर कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस पूरे मामले ने राजनीतिक गलियारों में भी हलचल मचा दी है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।